Ancient Vedic Mantras and Rituals

VEDIC PRAYERS

Navratri 2025 – 7th Day | नवरात्रि का सातवां दिन – मां कालरात्रि | PDF

नवरात्रि के सातवें दिन मां दुर्गा के सातवें स्वरूप मां कालरात्रि की पूजा की जाती है। मां कालरात्रि का स्वरूप अत्यंत भयानक है, लेकिन वे अपने भक्तों के लिए अत्यंत शुभ और मंगलकारी मानी जाती हैं। इसी कारण उन्हें शुभंकरी भी कहा जाता है। उनका यह रूप राक्षसों और नकारात्मक शक्तियों का नाश करने वाला है। वे सभी प्रकार के भय को दूर करती हैं और अपने भक्तों को साहस, शक्ति और सुरक्षा प्रदान करती हैं।

मां कालरात्रि का स्वरूप

- **रूप:** मां कालरात्रि का स्वरूप काला और भयानक है। उनकी तीन आंखें हैं, जो ब्रह्मांडीय अग्नि की तरह चमकती हैं। उनकी सांसों से अग्नि निकलती है।
- **बाल:** उनके लंबे, बिखरे हुए बाल होते हैं, और वे आभूषण के रूप में बिजली की माला पहनती हैं।
- **हाथों में अस्त्र:** मां के चार हाथ होते हैं। वे एक हाथ में खड्ग (तलवार) और दूसरे में लौह-अस्त्र धारण करती हैं, जबकि शेष दो हाथों में अभय मुद्रा और वर मुद्रा धारण करती हैं।

• **वाहन**: मां कालरात्रि का वाहन गधा है, जो विनम्रता और सेवा का प्रतीक है।

• **मुद्रा:** उनके एक हाथ में भय दूर करने की मुद्रा (अभय मुद्रा) और दूसरे हाथ में वरदान देने की मुद्रा (वर मुद्रा) होती है।

मां कालरात्रि की कथा

मां कालरात्रि की पौराणिक कथा के अनुसार, जब दानवों और राक्षसों ने देवताओं और पृथ्वीवासियों को परेशान करना शुरू किया, तब देवी ने अपने रौद्र रूप को धारण किया और मां कालरात्रि के रूप में प्रकट हुईं। उनका यह रूप इतना भयानक था कि राक्षस उनके नाम से ही डरने लगे। उन्होंने अनेक राक्षसों का संहार किया और देवताओं व मनुष्यों को भय से मुक्त कराया।

मां कालरात्रि की कथा

• **स्नान और शुद्ध वस्त्र:** सुबह स्नान करके स्वच्छ और शुद्ध वस्त्र धारण करें। पूजा स्थल को साफ करें और जल का छिड़काव करें।

• **कलश स्थापना:** मां कालरात्रि की मूर्ति या चित्र के सामने कलश स्थापित करें। कलश में गंगाजल, सुपारी, सिक्का और नारियल रखें।

• **धूप-दीप जलाना:** धूप और दीप जलाकर मां का ध्यान करें तथा उन्हें पुष्प, अक्षत (चावल) और कुमकुम अर्पित करें।

• **मंत्र जाप:** मां कालरात्रि के निम्न मंत्रों का जाप करें:

• **ध्यान मंत्र:**

एकवेणी जपाकर्णपूरा नग्ना खरास्थिता।
लम्बोष्ठी करालवदना तैलाभ्यक्तशरीरिणी॥
वामपादोल्लसल्लोहलताकण्टकभूषणा।
वर्धनमूर्धाध्वजा कृष्णा कालरात्रिर्भयानकरी॥

• **मूल मंत्र:**

ॐ देवी कालरात्र्यै नमः॥

• **भोग:** मां को गुड़ या गुड़ से बने व्यंजन का भोग लगाएं। मां कालरात्रि को यह भोग अत्यंत प्रिय माना जाता है।

• **आरती:** पूजा के अंत में मां की आरती करें और घी का दीपक जलाकर मां को समर्पित करें।

मां कालरात्रि का ध्यान मंत्र

एकवेणी जपाकर्णपूरा नग्ना खरास्थिता।
लम्बोष्ठी करालवदना तैलाभ्यक्तशरीरिणी॥
वामपादोल्लसल्लोहलताकण्टकभूषणा।
वर्धनमूर्धाध्वजा कृष्णा कालरात्रिर्भयानकरी॥

मां कालरात्रि का स्तुति मंत्र

या देवी सर्वभूतेषु मां कालरात्रि रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः॥

पूजा का उद्देश्य और लाभ

- मां कालरात्रि की पूजा से सभी प्रकार के भय, बाधाओं और नकारात्मक शक्तियों का नाश होता है।
- वे अपने भक्तों को साहस, आत्मविश्वास और शक्ति प्रदान करती हैं।
- मां की कृपा से जीवन में शांति, सुरक्षा और मानसिक संतुलन का संचार होता है।
- उनकी पूजा से साधक का सहस्रार चक्र जागृत होता है, जो आत्मिक उन्नति और ज्ञान का प्रतीक है।

उपासना का फल

नवरात्रि में मां कालरात्रि की पूजा से भक्त को हर प्रकार के संकट से मुक्ति मिलती है और वे साहस, शक्ति और धैर्य प्राप्त करते हैं।
मां कालरात्रि की कृपा से भक्त को शत्रुओं पर विजय, मानसिक शांति और आत्मिक विकास की प्राप्ति होती है।

Related Articles

Maa KalratriStotra

Maa KalratriAarti

Maa KalratriVratKatha

THANKS FOR READING

READ MORE RELIGIOUS CONTENT ON

vedicprayers.com

VEDIC PRAYERS

Follow us on: